International Journal of Scientific Research in Engineering and Management (IJSREM)
Volume: 10 Issue: 11 | Nov - 2026 SJIF Rating: 8.659 ISSN: 2582-3930

कस्तूरबा गॉधी बालिका विद्यालय एवं राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय के विद्यार्थियों की भौक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन

भोधार्थिनी
मोनिका सिंह
वर्धमान कॉलेज, बिजनौर
एम0जे0जी0आर0यू0 यूनिवर्सिटी बरेली

प्रो0 प्रीति खन्ना
(रिसर्च सुपरवाईजर)
ि ाक्षाभाास्त्र विभाग
एक्टिव प्रिंसीपल -वर्धमान कॉलेज, बिजनौर

सारां ा –

इस अनुसंधान में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों और राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की भौक्षिक उपलब्धि को तुलनात्मक दृश्टि से परखा गया है।

इस भाोध का प्रमुख लक्ष्य कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं तथा आश्रम पद्धति विद्यालयों में पढ़ने वाले केवल छात्रों की भौक्षिक उपलब्धि को आपस में तुलना करके देखना और कक्षा 6, 7 व 8 के स्तर पर मिले अंतर की सार्थकता को परखना था। अध्ययन को पूरा करने के लिए वर्णनात्मक सर्वेक्षण पद्धति अपनाई गई। मुरादाबाद मण्डल के राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों एवं के0जी0बी0वी0 को जनसंख्या के रूप में लिया गया, जिसमें के0जी0बी0वी0 से छात्राओं को तथा राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों से केवल छात्रों को चुना गया और कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों को अध्ययन में भाामिल किया गया। प्रतिद ा का निर्धारण सोद्दे य न्याद ा पद्धति से किया गया, जिसके अंतर्गत के0जी0बी0वी0 धामपुर (पुरैनी) की 50 छात्राएं (कक्षा 6 = 17, 7 = 17, 8 = 16) तथा राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय रामपुर के 50 छात्र (कक्षा 6 = 17, 7 = 17, 8 = 16) लिए गए। इस प्रकार अध्ययन में कुल N = 100 विद्यार्थी सम्मिलित हुए। उपकरण के रूप में सत्र 2024–25 के वार्शिक परीक्षा परिणाम का प्रति ात प्रयोग किया गया है । प्राप्त आंकड़ों का वि लेशण मध्यमान, मानक विचलन तथा स्वतंत्र t-test (SPSS-26) की सहायता से करके परिणाम निकाले गए। KGBV की छात्राओं का मध्यमान 71.50 प्रति ात (SD = 9.11) रहा, जबकि राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय के छात्रों का मध्यमान 65.33 प्रति ात (SD = 11.53) पाया गया। अर्थात दोनों समूह के मध्य t का मान 3.44 (df = 98, P < 0.01) प्राप्त हुआ जो 0.01 स्तर पर सार्थक है, और कक्षावार वि लेशण में कक्षा 6 में अंतर असार्थक (t = 0.78, P > 0.05) रहा और जबकि कक्षा 7 में (M1 = 69.84, M2 = 59.28, t = 3.21, P < 0.01) एवं कक्षा 8 (M1 = 70.79, M2 = 62.19, t = 2.45, P < 0.05) में सार्थक अन्तर पाया गया है और Cohen's d = 0.69 प्राप्त हुआ जो कि मध्यम से उच्च प्रभाव को द ार्ाता है। KGBV (बालिका) मॉडल की भौक्षिक उपलब्धि, आश्रम पद्धति के छात्रों वाले राजकीय विद्यालयों की तुलना में सार्थक रूप से ऊँची पाई गई है। कक्षा 6 में सामान्य रूप से समान है। परन्तु वि ोशकर कक्षा 7 व 8 में सार्थक रूप से अधिक पाई गई है। यह भाोध NEP 2020 के equity सिद्वान्त पुश्टि करता

है कि इन विद्यालयों में महिला ि ाक्षिकाओं द्वारा संचालित, सांयकालीन अतिरिक्त व ि ाक्षणयुक्त आवासीय बालिका विद्यालय मॉडल अधिक प्रभावी है और कहा गया कि आश्रम पद्वति व़िद्यालयों में भी इसी प्रकार के मॉडल को अपनाने की अनु ांसा की गई है।

मुख्य भाब्द :– भौक्षिक उपलब्धि, बालक बालिका आश्रम पद्वति विद्यालय, तुलनात्मक अध्ययन, मुरादाबाद मण्डल।

प्रस्तावना:–

ि ाक्षा का महत्व :–

ि ाक्षा मानव जीवन का मूल आधार होता है। ि ाक्षा जीवन जीने की कला है। गॉधी जी के अनुसार **''ि ाक्षा के द्वारा बालक का भाारीरिक, मानसिक, बौद्विक, नैतिक व आध्यात्मिक विकास व सर्वागीण विकास किया जाता है।''**डा0 राधा कृश्णन के अनुसार **''ि ाक्षा द्वारा ही मनुश्य का भाारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक विकास होता है''** । क अच्छी ि ाक्षा द्वारा ही बालक को सर्वोच्च गुण सम्पन्न बनाया जाता है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत सरकार ने ि ाक्षा को सभी वर्गों तक समान रूप से पहुँचाना अपना उद्दे य बनाया। अनुसूचित जाति की ि ाक्षा के संदर्भ में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 46 में उल्लेख है कि ''राज्य सूचित, अनुसूचित,एस0सी0,एस0टी0 और ओ0बी0सी0 जातियों के भौक्षिक हितों की वि ोश सावधानी से अभिवृद्वि करेगा। साथ ही इसके उद्दे य से आश्रम पद्वति विद्यालयों की स्थापना की गई।'' राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय – इन विद्यालयों का संचालन समाज कल्याण विभाग के अधीन होता है। मुरादाबाद मण्डल में 5 आश्रम पद्वति विद्यालय है। इनमें कक्षा 1 से 12 तक के SC/ST ओर OBC के बच्चों को निः ुल्क आवासीय प्रदान की जाती है। मुरादाबाद के 5 जिलों में ये विद्यालय संचालित है। कस्तूरबा गॉधी बालिका विद्यालय :– कस्तूरबा गॉधी बालिका विद्यालय योजना सरकार द्वारा सर्वप्रथम 2004 में प्रारम्भ की गई थी। इन विद्यालयों में सर्व ि ाक्षा अभियान के अन्तर्गत यह कक्षा से 8 तक का ड्रॉप आउट बालिकाओं के लिए निः ुल्क आवासीय विद्यालय व्यवस्था की गई है। परन्तु सरकार द्वारा इन विद्यालयों को कक्षा 6 से 12 तक संचालित किया जा रहा है।

भौक्षिक उपलब्धि का अर्थ :– भौक्षिक उपलब्धि से आ ाय विद्यालय में विभिन्न विशयों में प्राप्त अंकों से है। गुड के अनुसार –''**उपलब्धि ज्ञान प्राप्त करने की क्षमता है जिसको प्रति ात के रूप में मापा जा सकता है।''**

अध्ययन की आव यकता :–NEP2020 मे Equity पर जोर दिया गया है। मुरादाबाद मण्डल में दोनों प्रकार के विद्यालय संचालित है। परन्तु दोनों प्रकार के बालिका और बालकों की भौक्षिक उपलब्धि के बीच तुलनात्मक अन्तर किया जा गया है। इस अध्ययन द्वारा यह भी पता करना है कि क्या दोनों विद्यालयों में आवासीय सुविधा होने के बावजूद दोनों की उपलब्धि में अंतर है? मुरादाबाद मंडल, भौक्षिक सामाजिक और आर्थिक रूप से अभी अत्यन्त पिछ़ड़ा हुआ है। जहॉ पर अनुसूचित जाति की जनंसख्या 20 प्रति ात से अधिक पाई जाती है। यह क्षेत्र अल्पसंख्यक और मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र है। दोनों प्रकार के विद्यालयों में विद्यालयों में निः ुल्क आवासीय विद्यालय है। कस्तूरबा गॉधी बालिका विद्यालय में 100 प्रति ात महिला ि ाक्षिका एंव भााम 2 घंटेका अनिवार्य उपचारात्मक ि ाक्षण लागू है। दूसरी तरफ आश्रम पद्वति विद्यालयों में ि ाक्षकों की कमी एंव उच्च छात्र ि ाक्षक अनुपात (1:45) पाया गया है। पहले हुए भाोधों में सिंह (2020) ने उत्तर प्रदे ा में संचालित राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों का तथा रावत (2020) ने KGBV का मूल्यांकन किया गया, परन्तु मुरादाबाद जैसे बहुसांस्कृतिक और अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्र में दोनों प्रकार के विद्यालयों से बालिका व

बालक का प्रत्यक्ष रूप से तुलनात्मक अध्ययन अभी तक नही हुआ है। विद्यालयों की भौक्षिक उपलब्धि ही किसी आवासीय मॉडल की प्रभाव ीलता का मुख्य मानदण्ड है। आज के समय में वर्तमान अध्ययन का परिणाम समाज कल्याण विभाग और समग्र ि ाक्षा को नीतिगत निर्णय लेने आश्रम पद्वति विद्यालयों में के0जी0बी0वी0 की सवोत्त्म प्रथाओं को लागू करने और गुणवत्तापूर्ण सुधार करने हेतु साक्ष्य आधारित सुझाव प्रदान करेगा। अतः प्रस्तुत अध्ययन भाोध अत्यन्त उपयोगी और प्रासंगिक है।

सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन :–

1– पाण्डेय एस (2021) आश्रम पद्धति विद्यालयों में भौक्षिक उपलब्धि का अध्ययन'' इस अध्ययन में पाण्डेय ने उत्तर प्रदे ा के 10 राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में पढ़ने वाले 300 विद्यार्थियों (छात्रों) को भाामिल किया। उन्होंने भाोध द्वारा पाया कि ि ाक्षक छात्र अनुपात 1:35 है और अध्यापकों की अनुपस्थिति दर 32%है। जिसके कारण छात्रों की भौक्षिक उपलब्धि का Mean 61.20%और S.D. 11.80% पाया गया है। SD अधिक होने के कारण यह है कि छात्रों में विशमा अधिक है । कुछबालक 80% अंक ला रहे है और कुछ केवल 35%पर ही रह जाते हैं क्योंकि बालक अक्सर अपने घर के बाहर चले जाते है।

2– गुप्ता आर0और सिंह एम0 (2020) ''KGBVबालिकाओं की भौक्षिक उपलब्धि'' गुप्ता और सिंह ने अपने भाोध में बिजनौर जनपद के 4 KGBVमें पढ़ने वाली 120 बालिकाओं का अध्ययन किया और निश्कर्श निकाला कि KGBVमें 100% महिला ि ाक्षिकाओं और सांयकालीन 2 घंटे के अतिरिक्त उपचारात्मक ि ाक्षण कार्य के कारण बालिकाओं का 70.80% और SD केवल 9.10 है। ''SD का मान कम होने का अर्थ है कि सभी बालिकाओं में समरूपता है तथा प्रत्येक बालिका 50% से ऊपर है। बालिकाओं की उपस्थिति 100% पाई गई है। उन्होंने यह निश्कर्श दिया कि Girls Residential Model बालिकाओं के लिए अधिक प्रभावी है और Effect Size केवल 0.65 पाया गया है।

3- UNESCO (2021) के अनुसार 12 दे ाों में लड़कियों Girls Residential school का effect 0.68 पाया गया ।

4– World Bank (2020) भारत में आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति 12 प्रति ात से अधिक पाई गई।

5– राश्ट्रीय भौक्षिक अनुसंधान परिशद (NCERT 2022) KGBV की 360 बालिकाओं पर mean 71.8% आश्रम से बेहतर पाया गया ।

6– पाण्डेय एंव मिश्रा (2021) UP, N = 400 आश्रम पद्वति विद्यालयों में अध्यापकों की अनुपस्थिति 32 प्रति ात पाई गई।

7– जो ी0एम0 (2020) कुमॉऊ वि वविद्यालय अल्मोडत्रा में KGBV में 75 प्रति ात छात्राओं का प्रद ान प्रथम श्रेणी में पाया गया।

अतः उपरोक्त समस्त अध्ययनों द्वारा तो केवल KGBV''पर और केवल आश्रम पद्वति विद्यालयों पर मुरादाबाद मण्डल में प्रत्यक्ष तुलना 100 न्याद ा पर स्वतन्त्र t-toal पर कोई अध्ययन नही हुआ। अतः यही अंतराल इस भाोध की मौलिकता है।

समस्या कथन – ***''कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों तथा राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की भौक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन''***

उद्दे य, परिकल्पना, परिसीमन :–

भाोध के उद्दे य :–

1– कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की बालिकाओं एवं राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की समग्र भौक्षिक उपलब्धि का परस्पर तुलनात्मक आकलन करना।

2– कक्षा 6, 7 और 8 के स्तर पर बालिकाओं तथा बालकों की भौक्षिक उपलब्धि में मौजूद अंतर को वि लेशित करना।

3– प्राप्त अंतर की सार्थकता का परीक्षण करना।

4– दोनों समूहों की भौक्षिक उपलब्धि में मिले अंतर के उत्तरदायी कारकों को पहचानना तथा उनके आधार पर सुझाव देना।

भाोध की परिकल्पना :–

HO1 कस्तूरबा गॉधी विद्यालय और आश्रम पद्वति बालक विद्यालयों की समग्र भौक्षिक उपलब्धि में कोंई सार्थक अन्तर नही है।

HO2 कक्षा 6 के स्तर पर बालिकाओं एवं बालकों की भौक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

HO3 कक्षा 7 के स्तर पर बालिकाओं एवं बालकों की भौक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

HO4 कक्षा 8 के स्तर पर बालिकाओं एवं बालकों की भौक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

चरों की व्याख्या :–

1– स्वतंत्र चर–विद्यालय प्रकार (KGBV/ आश्रम पद्वति)

2– आश्रित चर :– भौक्षिक उपलब्धि (0–100 प्रति ात अंको में)

3– नियन्त्रित चर :– जनपद, ग्रामीण पृश्ठभूमि, आयु 11 से 14 वर्श सत्र 2024–25

भाोध विधि–प्रस्तुत अध्ययन को सर्वेक्षण पद्धति के आधार पर संपन्न किया गया है। जनसंख्या– मुरादाबाद मण्डल के KGBV धामपुर पुरैनी से, विद्यालय एंव राजकीय आश्रम पद्वति विद्यालय रामपुर से 6 कक्षा से 8 तक के विद्यार्थियों को चुना गया है''। दोनें विद्यालयों से 100 विद्यार्थी है।

न्याद र्ा :–उद्दे यपूर्ण न्याद र्ा विधि द्वारा ।

- KGBV धामपुर (पुरैनी) कक्षा 6 =17, 7 = 17, 8 = 16 = 50 विद्यार्थी बालिका
- राजकीय आश्रम पद्वति विद्यालय कक्षा 6 =17, 7 = 17, 8 = 16= 50 विद्यार्थी बालक

कुल विद्यार्थी की संख्या = 100

उपकरण :–प्रस्तुत भोध हेतु विद्यालयी अभिलेख वार्शिक परीक्षा परिणाम सत्र 2024–2025 के वार्शिक परीक्षा परिणाम के प्राप्तांको के प्रति ात को उपकरण में प्रयोग किया गया है। यह विद्यालय द्वारा प्रमाणित है।

डेटा संकलन :– भोधार्थी द्वारा व्यक्तिगत रूप से विद्यालयों की प्रधानाचार्य द्वारा प्राप्त अनुमति लेकर प्रगति पत्रों की प्रतिलिपि प्राप्त की गई।

सांख्यिकीय प्रविधियॉ :–

1– **Mean (M)**

2– SD, T-test (Independent sample)

3– Excel ओर SPSS 26 का प्रयोग

सूत्र –$t = (M1 – M2)/\sqrt{(SD1^2 / N1+SD2^2 / N2}$

जहां M1, M2= मध्यमान, SD1, SD2 = मानक विचलन N1,N2 न्याद ं

परिकल्पनाओं का परीक्षण एवं निर्वचन

तालिका संख्या – 1

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय धामपुर (पुरैनी) तथा राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय रामपुर में पढ़ रहे विद्यार्थियों की भौक्षिक उपलब्धि से सम्बन्धित मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात (t मान) का विवेचन

तालिका-1: KGBV एवं आश्रम पद्धति विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि की तुलना

(KGBV and Ashram Paddhati Vidyalaya Students Academic Achievement Comparison)

समूह Group	संख्या N	मध्यमान Mean (%)	मानक विचलन SD	न्यूनतम Min (%)	अधिकतम Max (%)	टी-मूल्य t	सार्थकता p/d
KGBV (बालिका) (कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय)	50	71.50%	9.11	50.3%	89.2%	3.44	<0.01 (सार्थक)
आश्रम (बालक) (आश्रम पद्धति विद्यालय)	50	65.33%	11.53	36.5%	84.4%	—	—
अन्तर / Difference (KGBV - आश्रम)	—	6.17%	—	—	—	प्रभाव आकार d = 0.69 (मध्यम से बड़ा प्रभाव), सासर्थक	

Note: सार्थक = $p < 0.01$ स्तर पर सांख्यिकीय रूप से सार्थक। प्रभाव आकार (Cohen's d) = 0.69 मध्यम से बड़े प्रभाव को दर्शाता है।

तालिका 1 की व्याख्या एंव निश्कर्श :–

1– व्याख्या – प्रस्तुत तालिका में ''कस्तूरबा गॉधी बालिका विद्यालय (KGBV) की 50 बालिकाओं के 50 छात्रों की वार्शिक परीक्षा सत्र 2024–25 के आधार पर ौक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। क–KGBV (बालिका) समूह का विवरण : इस समूह का मध्यमान 71.50 प्रति ात है तथा मानक विचलन 9.

11 है। अधिकतम 89.2 प्रति ात और न्यूनतम 50.3 है। इससेयह स्पश्ट होता है कि समूह की सभी छात्राओं का प्रद ान 50 प्रति ात से ऊपर है तथा समूह मेंए करूपता अधिक है। ख– आश्रम बालक समूह का विवरण –इस समूह का मध्यमान 65.33% है तथा मानक विचलन 11.53 है। न्यूनतम अंक 36.5 प्रति ात और अधिकतम अंक 84.4 प्रति ात है। मानक विचलन का मान अधिक होने से स्पश्ट होता है कि समूह में विशमता अधिक है और कुछ छात्र ौक्षिकरूप से अत्याधिक कमजोर है। ग– तुलनात्मक सांख्यिकी वि लेशण – दोनों समूह के मध्यमान में 6.17 प्रति ात का अंतर है तथा स्वतन्त्र t–परीक्षण करने पर t–मूल्य 3.44 प्राप्त हुआ, जो स्वतंत्रता के अ ा (df) 98 पर 0.01 स्तर पर सार्थक है क्योंकि प्राप्त सारणी का मान 2.63 से अधिक है। ($P < 0.01$) प्रभाव प्रकार (Cohen's d) 0.69 प्राप्त हुआ है। जो मध्यम से बड़े प्रभाव को द ार्शाता है। निश्कर्शः– उपर्युक्त वि लेशण के आधार पर ून्य परिकल्पना KGBV और आश्रम पद्धति विद्यालय के विद्यार्थियों की ौक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अंतर नही है। HO1 निरस्त होती है। अर्थात सार्थक अन्तर है। अतःयह निश्कर्श निकलता है कि KGBV की बालिकाओं की समग्र ौक्षिक उपलब्धि (71.50%)'', और राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय के बालकों की (65.33%) की तुलना में सार्थकरूप से अधिक है।

तालिका संख्या – 2

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (पुरैनी) तथा राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय रामपुर में पढ़ रहे विद्यार्थियों की भौक्षिक उपलब्धि से सम्बन्धित मध्यमान मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनपात (t मान) का विवेचन –

तालिका-2: कक्षा-वार शैक्षिक उपलब्धि की तुलना (KGBV vs आश्रम पद्धति)

कक्षा / Class	KGBV Mean %	Ashram Mean %	अन्तर / Difference	t-value	परिणाम / Result
6	73.84%	71.34%	2.50%	0.78	असार्थक ($p>0.05$)
7	69.84%	59.28%	10.56%	3.21	सार्थक ($p<0.01$)
8	70.79%	62.19%	8.60%	2.45	सार्थक ($p<0.05$)

Note: कक्षा 6 में अंतर असार्थक है, कक्षा 7 व 8 में सार्थक अंतर है।

तालिका–2 की व्याख्या :–

1– कक्षा 6 की व्याख्या (असार्थक)

KGBV बालिकाओं का Mean 73.84 % आश्रम पद्धति बालकों का Mean 71.34% अतंर केवल 2.50%, t = 0.78% है जो Critical Value 1.98 से बहुत कम होती है। इसलिए P>0.05 और परिणाम असार्थक है।

2– कक्षा 7 की व्याख्या (असार्थक)

कक्षा 7 में KGBV बालिका 69.84 % और आश्रम पद्वति विलयों के बालक 59.28% अतंर अचानक से बढ़कर 10.560% हो गया है तथा t = 3.21% है । 0.01 स्तर पर (2.63) से

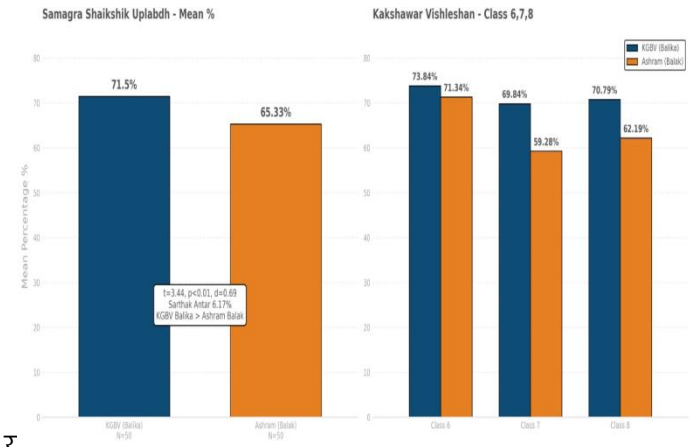
3– कक्षा 8 की व्याख्या (सार्थक अन्तर)

कक्षा 8 में KGBV बालिका 70.79% और राजकीय आश्रम पद्वति विद्यालयों 62.19 % अतंर 8.60% है। जहां पर t – value 2.45 है । यह मान 0.05 स्तर के सारणी मान (1.98) से ऊपर है, अतः अंतर P< 0.05 के स्तर पर सार्थक सिद्ध होता है।

समग्र निश्कर्श :–

- कक्षा 6 में बालक = बालिका बराबर
- कक्षा 7 और 8 में –बालिका >बालक (अंतर)
- KGBV की छात्राओं की समग्र भौक्षिक उपलब्धि आश्रम पद्वति के बालकों से सार्थक रूप से अधिक है।
- KGBV की समरूपता अधिक (SD क्रम) आश्रम पद्वति विद्यालयों में विशमता अधिक है।
- दोनों विद्यालयों का Mean 60% से अधिक ऊपर है। ''जो संतोशजनक है।

इसका सीधा अर्थ यह है कि कक्षा 6 के बाद KGBV बेहतर हो जाता है। कारण यह है कि कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में रात में अतिरिक्त पढ़ाई कराई जाती है। KGBV विद्यालयों में ममतापूर्ण माहौल है, जबकि आश्रम पद्वति विद्यालयों में ि ाक्षक कम हैं। 1 अध्यापक पर 35 छात्र है। KGBV विद्यालयों में 100 प्रति ात उपस्थिति है। जबकि आश्रम पद्वति विद्यालयों में 80 प्रति ात की उपस्थिति दर्ज की गई है।



भोध का भौक्षिक निहितार्थ– यह मान NEP 2020 का equality सिद्धांत का समर्थन करता है कि Girls Residential Model अत्याधिक प्रभावी है। नीति निर्माताओं को आश्रम पद्वति विद्यालयों को भी KGBV मॉडल पर सुधार करना चाहिए।

NEP 2020 और NCFSE 2023 के हिसाब से ि ाक्षक उपलब्धि का मतलब जयादा नम्बर लाना नही है । इसका मतलब है कि बच्चो का पूरा विकास होना। बच्चा जो पढ़ रहा है उसको समझे, उस पर सोचे, सवाल पूछे और अपने

जीवन में उसका उपयोग करे। NEP 2020 कहती है कि रट्टा मारना बंद होना चाहिए और समझ कर पढ़ने पर जोर देना चाहिए।

NCFSE 2023 में भी यही बात सही गई है । इसके अनुसार पढ़ाई बोझ नही, बल्कि आनन्द का वि वास होना चाहिए। बच्चों को खेल–खेल में, गतिविधि के द्वारा सिखाना चाहिए। उनकी उपलब्धि को सिर्फ एक परीक्षा से नही, बल्कि पूरे साल के काम, उनके व्यवहार और कौ ाल से जॉचा जाना चाहिए।

इसलिए इस बोझ में ि ाक्षक उपलब्धि को NEP 2020 और NCFSE 2023 के नये दृश्टिकोण से देखा गया है, जिसमें बच्चे के ज्ञान के साथ–साथ उसके विचारों ओर कौ ाल को भी समान महत्ता प्रदान की गई है।

निश्कर्श :–

यह तुलनात्मक अध्ययन, जो कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय एवं राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय के विद्यार्थियों की भौक्षिक उपलब्धि पर केन्द्रित है, मुरादाबाद मण्डल के 100 विद्यार्थियों (50 KGBV धामपुर पुरैरी की बालिकाऍ और 50 राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय रामपुर के बालक कक्षा 6 से 8) पर किया गया। सत्र 2024–25 के वार्शिक परीक्षा परिणाम के आधार पर t-test द्वारा वि लेशण किया गया।

परिणामों से यह स्पश्ट हुआ है कि कक्षा 6 में दोनों समूहों की भौक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नही पाया गया है। KGBV का Mean 71.34% और आश्रम पद्धति का Mean 71.34% अंतर केवल 2.50 प्रति ात ($t=0.78 > 0.05$) जो कि असार्थक हैं परन्तु कक्षा 7 में यह अंतर अचानक से बढ़ गया है। KGBV में 69.84 प्रति ात और आश्रम में 59.28 प्रति ात अंतर है। इसी प्रकार कक्षा 8 में KGBV 70.79% प्रति ात और आश्रम 62.19 प्रति ात अंतर 8.60% ($at=2.45, p > 0.05$) सार्थक पाया गया। Cohen's $d = 0.69$ प्राप्त हुआ जो मध्यम से उच्च प्रभाव को द ार्ाता है।

समग्र रूप से KGBVकी छात्राओं की भौक्षिक उपलब्धि आश्रम पद्धति के छात्रों से सार्थक रूप अधिक है। KGBV की एकरूपता अधिक है जबकि आश्रम में विशमता अधिक है। दोनें विद्यालयो का मध्यमान 60 प्रति ात से अधिक है जो संतोशजनक हे। इसका सीधा अर्थ यह है कि कक्षा 6 के बाद KGBV बेहतर हो जाता ळै। क्योंकि KGBV की रात्रि के समय अतिरिक्त पढाई होती है , मातृत्व की भावना है, 100 प्रति ात उपस्थिति है, जबकि आश्रम में 1 अध्यापक पर 35 छात्र है और 60 प्रति ा उपस्थिति दर्ज की गई।'' यह भोध NEP 2020के equityसिद्वान्त की पुश्टि करता है कि गर्ल्स रेजिडें ि ायल मॉडल अत्याधिक प्रभावी है।

सुझाव :–

1– आश्रम पद्वति विद्यालयों में भााम को 2 घुंटे का Remedial Teaching अनिवार्य है।

2– हर आश्रम पद्धति विद्यालय में न्यूनतम 3 महिला ि ाक्षिकाओं की नियुक्ति की जाए।

3– दोनों प्रकार के विद्यालयों में कार्यरत वार्डनों के लिए भौक्षिक प्र ि ाक्षण की व्यवस्था की जाए।

4– मासिक PTM अनिवार्य हो।

5– पुस्तकालय और विज्ञान प्रयोग ाला भाुद्व की जाये।

भोध की सीमायेंः– प्रस्तुत भोध में KGBV में केवल बालिकाएँ और आश्रम पद्वति विद्यालय में केवल बालक है, अतः लिंग चर नियंत्रित नही हैं अतः प्राप्त अंतर में विद्यालयी प्रभाव के साथ लैंकिग प्रभाव भी समिमलित हो सकता है। यह भोध केवल मुरादाबाद मंडल के 100 न्याद र्श तक सीमित है।

भविश्य के भोध हेतुः–

1– 400 से 600 न्याद र्श पर मुरादाबाद मण्डल पर भोध हों

2– भौक्षिक उपलब्धि के साथ समायोजन पुश्टि पर भोध हो।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1- NCERT (2020) National Education Policy

2- Best J.W. & Kahn. J.V (2019)

3- Gupta S.P. (2022) Sankhyiki

4- Singh A.K. (2021) Educational Psychology

5- UNESCO (2021) Evalution of KGBV's in Residential School paris.

6- Gupta, R Singh, M (2020) Academic Achivement of KGBV Grils in Moradbad Mandal Indian Journal of Education Research Vol. 9 (1) PP20-30

7- Pandey S. (2021) problems and Achievement of Ashram School in U.P. Journal of Indian Educaiton NCERT Vol. 47 (2) PP 45.52